राजस्थान के ऐतिहासिक युद्ध

तराइन का प्रथम युद्ध (1191)

अजमेर व दिल्ली के चौहान सम्राट पृथ्वीराज तृतीय एवं मुहम्मद गौरी के मध्य, जिसमें पृथ्वीराज की विजय हुई।

तराइन का द्वितीय युद्ध (1192)

पृथ्वीराज व गौरी के मध्य, जिसमें गौरी की विजय हुई।

रणथम्भौर का युद्ध (July 1301)

रणथम्भौर शासक राणा हम्मीरदेव चौहान एवं सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी के मध्य, जिसमें अलाउद्दीन खिलजी की जीत हुई।

चित्तौड़ का युद्ध (1303)

मेवाड़ के गुहिल शासक राव रत्नसिंह एवं अलाउद्दीन खिलजी के बीच हुआ युद्ध, जिसमें विजय के बाद अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़ का प्रशासन अपने पुत्र खिज्र खाँ को सौंपकर चित्तौड़ का नाम खिज्राबाद रख दिया था।

अन्य नोट्स डाउनलोड : राजस्थान क्लासेज

ऐतिहासिक युद्ध

सिवाणा का युद्ध (1308)

अलाउद्दीन खिलजी ने वीर सातलदेव चौहान की सेना को हराकर सिवाना दुर्ग पर कब्जा किया और उसका नाम खैराबाद रखा गया।

जालौर का युद्ध (1311)

सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने सोनगरा चौहान शासक कान्हड़देव को पराजित किया।

सारंगपुर का युद्ध (1437)

मेवाड़ के महाराणा कुंभा ने मालवा (मांडू) के सुल्तान महमूद खिलजी को हराया। इसी विजय के उपलक्ष में कुंभा ने विजय स्तम्भ का निर्माण करवाया था।

खातोली का युद्ध (1517)

मेवाड़ के राणा सांगा (संग्रामसिंह) ने दिल्ली सुल्तान इब्राहीम लोदी को हराया।

अन्य नोट्स डाउनलोड : राजस्थान क्लासेज

ऐतिहासिक युद्ध

गागरोन का युद्ध (1519)

राणा सांगा ने मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी को हराकर बंदी बनाया।

बयाना का युद्ध (Feb 1527)

राणा सांगा ने बाबर की सेना को हराकर बयाना का किला जीता।

खानवा का युद्ध (मार्च 1527)

मुगल बादशाह मोहम्मद जहीरुद्दीन बाबर ने राणा सांगा को हराया।

गिरी-सुमेल का युद्ध (जनवरी 1544)

दिल्ली के अफगान बादशाह शेरशाह सूरी ने जोधपुर के राठौड़ शासक मालदेव को हराया एवं कहा कि "मुट्ठी भर बाजरी के लिए मैं हिन्दुस्तान की बादशाहत खो देता ।“

ऐतिहासिक युद्ध

चित्तौड़ का युद्ध (1567)

मुगल बादशाह अकबर की सेना ने मेवाड़ महाराणा उदयसिंह को परास्त किया।

हल्दी घाटी का युद्ध (18 जून, 1576)

अकबर के सेनापति मानसिंह एवं महाराणा प्रताप की सेना के मध्य हुआ युद्ध जिसमें प्रताप की पराजय हुई।

कुंभलगढ़ का युद्ध (1578)

शाहबाज खाँ के नेतृत्व में मुगल सेना एवं महाराणा प्रताप की सेना के मध्य हुआ जिसमें मुगल सेना ने कुंभलगढ़ पर अधिकार कर लिया। इसके बाद प्रताप ने चावंड को अपनी राजधानी बनाया।

मतीरे की राड़ युद्ध (1644)

यह युद्ध मतीरे लेने के मामले पर अमरसिंह राठौड़ (नागौर के शासक) एवं बीकानेर के राजा कर्णसिंह के बीच हुआ । 'अमीरसिंह रो खयाल' नामक लोक नाट्य इसी अमरसिंह की वीरता पर बनाये गये हैं।

अन्य नोट्स डाउनलोड : राजस्थान क्लासेज

ऐतिहासिक युद्ध

धरमत का युद्ध, मध्यप्रदेश (अप्रैल 1658)

औरंगजेब ने उत्तराधिकार युद्ध में शाही सेना व दाराशिकोह का हराया। शाही सेना का नेतृत्व जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह कर रहे थे।

दौराई का युद्ध (1659)

अजमेर के निकट दौराई स्थान पर उत्तराधिकार युद्ध में औरंगजेब ने दारा शिकोह को पुनः हराया।

पिलसुद का युद्ध (10 मई, 1715)

जयपुर नरेश सवाई जयसिंह ने मराठों की सेना को पराजित कर उन्हें नर्मदा के दक्षिण में खदेड़ा।

मंदसौर का युद्ध (फरवरी, 1733)

जयपुर के सवाई जयसिंह एवं मराठों के मध्य युद्ध जिसमें जयसिंह पराजित हुआ और उसे मराठों को हर्जाना व मालवा के कुछ परगने देने पड़े।

अन्य नोट्स डाउनलोड : राजस्थान क्लासेज

ऐतिहासिक युद्ध

राजमहल (टोंक) का युद्ध (मार्च, 1747)

जयपुर नरेश ईश्वरीसिंह ने अपने भाई माधोसिंह, मराठा, एवं कोटा-बूँदी की संयुक्त सेना को हराया।

भटवाड़ा का युद्ध (नवम्बर, 1761)

कोटा के राजा शत्रुसाल एवं जयपुर नरेश सवाई माधोसिंह के मध्य रणथम्भौर के वर्चस्व को लेकर हुआ युद्ध जिसमें कोटा की सेना की जीत हुई।

तुंगा का युद्ध (जुलाई, 1787)

जयपुर नरेश सवाई प्रतापसिंह एवं जोधपुर नरेश महाराणा विजयसिंह की संयुक्त सेना ने मराठा महादजी सिंधिया की सेना को हराया।

गिंगोली का युद्ध (मार्च, 1807)

जयपुर नरेश जगतसिंह - द्वितीय एवं जोधपुर के शासक मानसिंह राठौड़ के मध्य मेवाड़ की राजकुमारी कृष्णाकुमारी से विवाह को लेकर हुए विवाद के कारण हुआ युद्ध जिसमें जोधपुर की पराजय हुई।

अन्य नोट्स डाउनलोड : राजस्थान क्लासेज

ऐतिहासिक युद्ध

बिथौरा का युद्ध (सितम्बर, 1857)

आउवा के ठाकुर कुशालसिंह चाँपावत के नेतृत्व में क्रांतिकारियों (जोधपुर लीजियन के विद्रोही सैनिकों) की सेना ने कैप्टन हीथकोट के नेतृत्व में आई अंग्रेजी व जोधपुर राज्य की संयुक्त सेना को हराया।

आउवा का युद्ध (सितम्बर, 1857)

आउवा में कुशालसिंह के नेतृत्व वाली क्रांतिकारी सेना ने अँग्रेजी सेना व जोधपुर की सेना को हराया। ए.जी.जी. लारेन्स को भांगना पड़ा तथा पॉलिटिकल एजेन्ट मोक मेन्सन की हत्या कर क्रांतिकारियों ने उसका सिर किले पर लटका दिया।

अन्य नोट्स डाउनलोड : राजस्थान क्लासेज

राजस्थान सामान्य ज्ञान
वन लाइनर प्रश्न-उत्तर
500+
क्लिक करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
लाइव क्लास की सभी पीडीएफ
फ्री डाउनलोड करें
क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

नवीनतम राजस्थान GK
(टॉपिक वाइज नोट्स)
Free PDF
Click Here
RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
By - Aadarsh Sir

लाइव क्लासेज यहां से देखें
Click Here

Click Here

अन्य नोट्स PDF हेतु क्लिक करें
Click Here

हर नोट्स, मॉडल पेपर की लिंक यहां मिलेगी
Click Here